भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति

तारीखः 25 अक्टूबर, 2025

जारी करने का समय: 1445 घंटे

विषय: (i) पूर्व मध्य अरब सागर पर दबाव।

(ii) दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी पर दबाव और 27 अक्टूबर तक दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में एक चक्रवाती तूफान में तीव्रता की संभावना है।

(iii) 27 तारीख को तमिलनाडु, केरल और माहे तथा तटीय कर्नाटक में; 26-30 तारीख के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम; 26-29 तारीख के दौरान रायलसीमा; 27-30 तारीख के दौरान ओडिशा; 26 को सौराष्ट्र; 29 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना; 27 और 28 को रायलसीमा में; 27 को दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और यनम; 28 और 29 अक्टूबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और 28 और 29 अक्टूबर को दक्षिण ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।

पिछले 24 घंटों की वास्तविक मौसम स्थिति (आज 25 अक्टूबर, 2025 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- निकोबार द्वीप, गोवा, तटीय कर्नाटक और तमिलनाडु एवं पुडुचेरी में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

वास्तविक मौसम के अधिक विवरण के लिए कृपया **अनुलग्नक I** देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- कल पूर्व-मध्य अरब सागर पर बना अवदाब आज, 25 अक्टूबर 2025 को भारतीय समयानुसार सुबह 08:30 बजे उसी क्षेत्र में, अक्षांश 16.5° उत्तर और देशांतर 70.4° पूर्व के निकट, पंजिम (गोवा) से लगभग 380 किमी पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, मुंबई (महाराष्ट्र) से 400 किमी दक्षिण-पश्चिम, मैंगलोर (कर्नाटक) से 620 किमी उत्तर-पश्चिम और अमिनिदिवी (लक्षद्वीप) से 640 किमी उत्तर-उत्तर-पश्चिम में केंद्रित था। अगले 24 घंटों के दौरान इसके पूर्व-मध्य अरब सागर में लगभग उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने की संभावना है।
- कल बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व में बना निम्न दबाव का क्षेत्र कल, 24 अक्टूबर 2025 को 1730 बजे IST पर उसी क्षेत्र में एक सुपरिभाषित निम्न दबाव का क्षेत्र बन गया। दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर सुपरिभाषित निम्न दबाव का क्षेत्र लगभग पश्चिम की ओर बढ़ गया और आज, 25 अक्टूबर 2025 को 0530 बजे IST पर उसी क्षेत्र में एक डिप्रेशन में केंद्रित हो गया। यह लगभग पश्चिम की ओर बढ़ गया और आज, 25 अक्टूबर 2025 को 0830 बजे IST पर उसी क्षेत्र में अक्षांश 10.8°N और देशांतर 88.8°E के पास केंद्रित रहा। इसके लगभग पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने, 26 तारीख तक एक गहरे डिप्रेशन में तीव्र होने और 27 तारीख की सुबह तक दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। इसके बाद, इसके उत्तर-पश्चिम की ओर, फिर उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर

बढ़ने और 28 अक्टूबर की सुबह तक एक गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए, इसके 28 अक्टूबर की शाम/रात के दौरान मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच काकीनाडा के आसपास आंध्र प्रदेश के तट को एक गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में पार करने की बहुत संभावना है, जिसकी अधिकतम निरंतर हवा की गति 90-100 किमी प्रति घंटा से लेकर 110 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है।

- 27 अक्टूबर, 2025 से एक नया पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 25 से 28 अक्टूबर तक तमिलनाडु, केरल और माहे में; तटीय कर्नाटक में 25, 27 और 28 अक्टूबर को; दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 27 अक्टूबर को; तटीय आंध्र प्रदेश और यानम में 26 से 30 अक्टूबर तक; रायलसीमा में 26 से 29 अक्टूबर तक; तेलंगाना में 27 से 29 अक्टूबर तक अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना; तमिलनाडु, केरल और माहे तथा तटीय कर्नाटक में 27 अक्टूबर को कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- 27 अक्टूबर को दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में तथा 28 और 29 अक्टूबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में तथा 27 और 28 अक्टूबर को रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) होने की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक क्षेत्र में बिजली और तेज हवाओं (30-40 किमी/घंटा) के साथ तूफान की संभावना है।

पूर्व और मध्य भारत:

- पश्चिम मध्य प्रदेश में 26 और 27 अक्टूबर को; छत्तीसगढ़ में 28 और 29 अक्टूबर को; ओडिशा में 27 से 30 अक्टूबर तक; गंगा तटीय पश्चिम बंगाल में 28 से 30 अक्टूबर तक; झारखंड में 29 और 30 अक्टूबर को; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम तथा बिहार में 30 और 31 अक्टूबर को कुछ/अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 25 और 26 अक्टूबर को; ओडिशा में 27 से 29 अक्टूबर तक और छत्तीसगढ़ में 29 अक्टूबर को कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- 28 और 29 अक्टूबर को दक्षिण ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) होने की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और ओडिशा में; 29 और 30 अक्टूबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 29 से 31 अक्टूबर तक बिहार में; 28 से 30 अक्टूबर तक गंगा तटीय पश्चिम बंगाल में बिजली और तेज हवाओं (30-50 किमी/घंटा) के साथ तूफान की संभावना। मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में अगले 5 दिनों तक बिजली के साथ तूफान की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र में 25 अक्टूबर को; दक्षिण कोंकण और गोवा, दक्षिण मध्य महाराष्ट्र में 27 अक्टूबर को; गुजरात राज्य में 25 से 28 अक्टूबर तक कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना; सौराष्ट्र में 26 अक्टूबर को कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- अगले 4-5 दिनों तक क्षेत्र में बिजली के साथ तूफान की संभावना है।

उत्तर-पूर्व भारत:

- असम और मेघालय तथा नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 29 से 31 अक्टूबर तक और अरुणाचल प्रदेश में 30 अक्टूबर को कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- पूर्व और दक्षिण-पश्चिम राजस्थान में 26 से 28 अक्टूबर तक अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान की संभावना। पूर्व राजस्थान में 27 अक्टूबर को कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।

अरब सागर, लक्षद्वीप और कोमोरिन क्षेत्र तथा कर्नाटक, केरल के तटों और महाराष्ट्र एवं गुजरात के तटों के लिए चेतावनी

हवा की चेतावनी: प्रणाली के केंद्र के आसपास 45-55 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएँ चल रही हैं, जो बढ़कर 65 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती हैं और 26 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य और आसपास के दक्षिण-पूर्व अरब सागर में जारी रहेंगी।

लक्षद्वीप और कोमोरिन क्षेत्र तथा कर्नाटक और केरल के तटों के आसपास 26 अक्टूबर तक 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएँ चल सकती हैं, जो बढ़कर 60 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती हैं, और 25 और 26 अक्टूबर को उत्तर-पूर्व अरब सागर तथा महाराष्ट्र और गुजरात के तटों के आसपास 35-45 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएँ चल सकती हैं, जो बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती हैं।

समुद्र की स्थिति: 26 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य और आसपास के दक्षिण-पूर्व अरब सागर में समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है।

26 अक्टूबर तक लक्षद्वीप और कोमोरिन क्षेत्र तथा कर्नाटक और केरल के तटों पर समुद्र की स्थिति खराब रहने की संभावना है।

25 और 26 अक्टूबर को उत्तर-पूर्वी अरब सागर और महाराष्ट्र तथा गुजरात के तटों पर समुद्र की स्थिति मध्यम से खराब रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी: मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 26 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य और उससे सटे दक्षिण-पूर्वी अरब सागर, लक्षद्वीप और कोमोरिन क्षेत्र और कर्नाटक तथा केरल के तटों पर, और 25 और 26 अक्टूबर को उत्तर-पूर्वी अरब सागर और महाराष्ट्र तथा गुजरात के तटों पर न जाएँ।

भारी बारिश और तेज़ हवाओं (केरल, तटीय कर्नाटक, कोंकण और गोवा और गुजरात राज्य) के कारण अपेक्षित प्रभाव और सुझाई गई कार्रवाई

अपेक्षित प्रभाव:

- पेड़ों की शाखाओं का टूटना। तेज़ हवा और भारी बारिश से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- तेज़ हवाओं और भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान।
- भारी बारिश के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- निचले इलाकों में स्थानीय स्तर पर अचानक बाढ़, भूस्खलन, भूस्खलन, जलभराव, जलप्लावन और बाढ़ आ सकती है।
- भारी बारिश के कारण दृश्यता में कभी-कभी कमी आ सकती है।
- सतही और हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जा सकता है।
- तेज़ हवाओं और भारी बारिश के कारण छोटे जहाज़ और देशी नावें प्रभावित होंगी।

सुझाई गई कार्रवाई:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे बिगड़ते मौसम पर नज़र रखें और तदनुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- बिजली गिरने की आशंका होने पर, तुरंत बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्लग निकाल दें, जलाशयों से बाहर निकल जाएँ और उन सभी वस्तुओं से दूर रहें जो बिजली का संचालन करती हैं।
- पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को विनियमित किया जाएगा।
- भूतल परिवहन और हेलीकॉप्टर सेवाओं को विनियमित किया जाएगा।

बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर के क्षेत्रों के लिए चेतावनी

हवा की चेतावनी:

- दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के आसपास के क्षेत्रों में 40-50 किमी प्रति घंटे से लेकर 60 किमी प्रति घंटे की गति तक पहुँचने वाली तेज़ हवाओं के साथ तूफानी मौसम बना हुआ है। 25 तारीख की शाम से बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों में इसकी गति बढ़कर 45-55 किमी प्रति घंटे से लेकर 65 किमी प्रति घंटे तक पहुँचने की संभावना है।
- 26 अक्टूबर की शाम से बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम और आसपास के क्षेत्रों में हवा की गति और बढ़ेगी और 60-70 किमी प्रति घंटे से लेकर 80 किमी प्रति घंटे तक की गति तक पहुँचकर तूफानी हवा बन जाएगी। इसके बाद 27 अक्टूबर की शाम से पश्चिम-मध्य और आसपास के उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में हवा की गति और बढ़कर 80-90 किमी प्रति घंटे से लेकर 100 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी और 28 अक्टूबर की सुबह से इसकी गति और बढ़कर 90 से 100 किमी प्रति घंटे हो जाएगी।
- 25 से 28 अक्टूबर के दौरान तमिलनाडु-पुडुचेरी तट पर 35-45 किमी प्रति घंटे से लेकर 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- 25 अक्टूबर से आंध्र प्रदेश और यनम (पुडुचेरी के) तटों पर 35-45 किमी प्रति घंटे से लेकर 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। 27 तारीख की सुबह से इसकी रफ्तार बढ़कर 45-55 किमी प्रति घंटे से लेकर 65 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है और 28 तारीख की सुबह से तूफानी हवा की रफ्तार 60-70 किमी प्रति घंटे से लेकर 80 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है, 28 तारीख की शाम से 29 अक्टूबर की सुबह तक 90-100 किमी प्रति घंटे से लेकर 110 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है और 29 अक्टूबर की दोपहर तक 60-70 किमी प्रति घंटे से लेकर 80 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। 29 अक्टूबर की शाम तक हवा की गति और कम होकर 45-55 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 65 किमी प्रति घंटे हो जाएगी और उसके बाद धीरे-धीरे कम हो जाएगी।
- 26 तारीख की शाम से दक्षिण ओडिशा तट के साथ और उसके आसपास हवा की गति 35-45 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने के साथ तूफानी मौसम रहने की संभावना है। 27 तारीख की शाम से हवा की गति बढ़कर 45-55 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 65 किमी प्रति घंटे हो जाने की संभावना है और 28 तारीख की शाम से 29 अक्टूबर की सुबह तक दक्षिण ओडिशा तट के साथ और उसके आसपास हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 80 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है, जो 29 अक्टूबर की शाम तक 45-55 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 65 किमी प्रति घंटे हो जाएगी और उसके बाद धीरे-धीरे कम हो जाएगी। 28 अक्टूबर की शाम से 29 अक्टूबर की सुबह तक उत्तरी ओडिशा तट के साथ-साथ आसपास 50-60 किमी प्रति घंटे की गति से 70 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चलने की संभावना है। 29 अक्टूबर की शाम तक हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 60 किमी प्रति घंटे हो जाएगी और उसके बाद धीरे-धीरे कम हो जाएगी।

समुद्र की स्थिति

- पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व और आसपास के क्षेत्रों में समुद्र की स्थिति बहुत खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है, जो 25 अक्टूबर की शाम से बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों में बहुत खराब और 26 अक्टूबर की शाम से 28 अक्टूबर की सुबह तक तेज़ हो जाएगी।
- 26 अक्टूबर की शाम से पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम और आसपास के क्षेत्रों में समुद्र की स्थिति बहुत खराब से बहुत तेज़ रहने की संभावना है।
- 27 अक्टूबर की शाम से बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिम में समुद्र की स्थिति उच्च से बहुत उच्च रहने की संभावना है, 28 अक्टूबर की सुबह से 29 अक्टूबर की सुबह तक यह बहुत उच्च रहेगी, 29 की दोपहर तक यह उच्च रहेगी और उसके बाद के 12 घंटों के दौरान यह बहुत उग्र से उग्र हो जाएगी।
- 25 से 28 अक्टूबर के दौरान तमिलनाडु-पुडुचेरी तट के पास और उसके आसपास समुद्र की स्थिति उग्र से बहुत उग्र रहने की संभावना है।
- 25-27 अक्टूबर की सुबह के दौरान आंध्र प्रदेश और यनम (पुडुचेरी के) तटों के पास और उसके आसपास समुद्र की स्थिति उग्र से बहुत उग्र रहने की संभावना है। यह और भी खराब हो जाएगी, 28 की सुबह से बहुत उग्र से उच्च और 28 की शाम से 29 अक्टूबर की सुबह तक यह बहुत उच्च रहेगी, 29 अक्टूबर की दोपहर तक यह उच्च रहेगी और उसके बाद के 12 घंटों के दौरान यह बहुत उग्र से उग्र रहेगी।

- 26 अक्टूबर की शाम से 27 अक्टूबर की शाम तक ओडिशा तट के साथ-साथ समुद्र की स्थिति बहुत खराब रहने की संभावना है। 28 अक्टूबर की सुबह से 29 अक्टूबर की सुबह तक यह और भी खराब हो जाएगी और तेज़ हो जाएगी। अगले 12 घंटों के दौरान इसमें धीरे-धीरे सुधार होने की संभावना है और यह बहुत खराब से बहुत खराब हो जाएगी।

तूफ़ानी लहरों की चेतावनी: खगोलीय ज्वार से लगभग 1 मीटर ऊँची तूफ़ानी लहरें, तट पर पहुँचने के समय तटीय आंध्र प्रदेश और यनम (पुडुचेरी) के निचले इलाकों में जलभराव का कारण बन सकती हैं।

मछुआरों के लिए चेतावनी: मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 29 अक्टूबर तक दक्षिण-पश्चिम, मध्य बंगाल की खाड़ी से सटे, तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश और यनम (पुडुचेरी) के तटों और उसके आसपास और 26 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक ओडिशा तट के साथ-साथ न जाएँ। जो लोग समुद्री क्षेत्र में हैं, उन्हें तुरंत तट पर लौट आना चाहिए।

भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण अपेक्षित प्रभाव और सुझाई गई कार्रवाई (आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी के यनम और दक्षिण ओडिशा तट)

- फूस के घरों/झोपड़ियों को भारी नुकसान। छतें उड़ सकती हैं। बिना जुड़ी धातु की चादरें उड़ सकती हैं।
- बिजली और संचार लाइनों को नुकसान।
- कच्ची सड़कों को भारी नुकसान और पक्की सड़कों को कुछ नुकसान। बचने के रास्तों में पानी भर जाना।
- पेड़ों की शाखाओं का टूटना, बड़े पेड़ों का उखड़ना। केले और पपीते के पेड़ों को बड़े पैमाने पर नुकसान। पेड़ों से बड़ी सूखी शाखाएँ उड़ जाना।
- बाढ़ और हवाओं के कारण धान की फसलों, बागवानी और खड़ी फसलों और बागों को नुकसान।
- भारी बारिश और अचानक बाढ़ के कारण तटीय जिलों के निचले इलाकों में जलभराव।
- सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में अंडरपास का बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण दृश्यता में कभी-कभी कमी।
- जलभराव और तेज़ हवाओं के कारण यातायात बाधित।
- स्थानीय भूस्खलन/कीचड़ धंसाव। इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी का वेब पेज देखें)।
- तटबंधों/नमक के भंडारों को नुकसान।

सुझाई गई कार्रवाई:

- मछली पकड़ने का काम पूरी तरह से स्थगित।
- तटीय झोपड़ियों में रहने वालों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जाए। प्रभावित क्षेत्रों के लोग घर के अंदर रहें।
- मोटर बोटों में आवाजाही असुरक्षित।
- अपतटीय/तटीय परिचालनों का विवेकपूर्ण विनियमन।
- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे बिगड़ती परिस्थितियों के लिए मौसम पर नज़र रखें और तदनुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को तुरंत बंद कर दें, जल निकायों से बाहर निकल जाएँ और बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।
- पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को विनियमित किया जाएगा।
- भूतल परिवहन और हेलीकॉप्टर सेवाओं को विनियमित किया जाएगा।

ii. 25 से 28 अक्टूबर, 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

गोवा: कैनाकोना (दक्षिण गोवा जिला) 14, मोरमुगाओ - पीएमओ इमद (दक्षिण गोवा जिला) 11, पंजिम - इमद ओब्सी (उत्तरी गोवा जिला) 9, डाबोलिम एन.ए.एस.- नेवी (दक्षिण गोवा जिला) 8, मापुसा (उत्तरी गोवा जिला) 8, क्यूपेम (दक्षिण गोवा जिला) 7, पोंडा (उत्तरी गोवा जिला) 7;

तमिलनाडु और पुडुचेरी: ओथु (जिला तिरुनेलवेली) 14, नालुमुक्कू (जिला तिरुनेलवेली) 13, कक्काची (जिला तिरुनेलवेली) 11, बालामोर (जिला कन्याकुमारी), मंजोलाई (जिला तिरुनेलवेली) 9 प्रत्येक, थिरपराप्पु (जिला कन्याकुमारी) 8, इदयापट्टी (जिला मदुरै), मदुरै शहर (जिला मदुरै), तल्लाकुलम (जिला मदुरै), सुरलाकोड (जिला कन्याकुमारी) 7 प्रत्येक;

तटीय कर्नाटक: कारवार ऑब्सी (जिला उत्तर कन्नड़) 12; उत्तर कन्नड़_कारवार_असनोति-8, उत्तर कन्नड़_अंकोला_हरावाड़ा-8, उत्तर कन्नड़_अंकोला_बेलेकेरी-8, उत्तर कन्नड़_कारवार_वेलेकेरी-7, उत्तर कन्नड़_अंकोला_हट्टीकेरी-7, उत्तर कन्नड़_कारवार_माजलि-7, उत्तर कन्नड़_कुमता_हेगड़े-7, उत्तर कन्नड़_अंकोला_भाविकेरी-7 कन्नड़_कुम्ता_कालभाग-7, उत्तर कन्नड़_कारवार_मुदागेरी-7;

निकोबार द्वीप: आईएएफ कार्निकोबार (जिला निकोबार) 12, कार निकोबार (जिला निकोबार) 10;

रायलसीमा: कोइलकुंटला (जिला नंद्याल) 8, दोर्निपाडु (जिला नंद्याल) 7;

तटीय आंध्र प्रदेश: रेपल्ले (जिला बापटला) 7;

उत्तरी आंतरिक कर्नाटक: रायचूर_बिजंगेरा-7, कोप्पला_कुकनुरु_कुकनूर1-7.

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	25- Oct	26- Oct	27- Oct	28- Oct	29- Oct	30- Oct	31- Oct
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	DRY	DRY	ISOL	SCT	SCT	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	ISOL	DRY	ISOL	SCT	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	ISOL	ISOL	FWS	FWS	WS	WS	FWS
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	ISOL
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	ISOL	SCT	FWS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	SCT	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	SCT	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT	ISOL
27	CHHATTISGARH	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	FWS	WS	WS	WS	SCT	ISOL
29	TELANGANA	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL
30	RAYALASEEMA	SCT	FWS	WS	WS	FWS	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	WS	WS	SCT	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

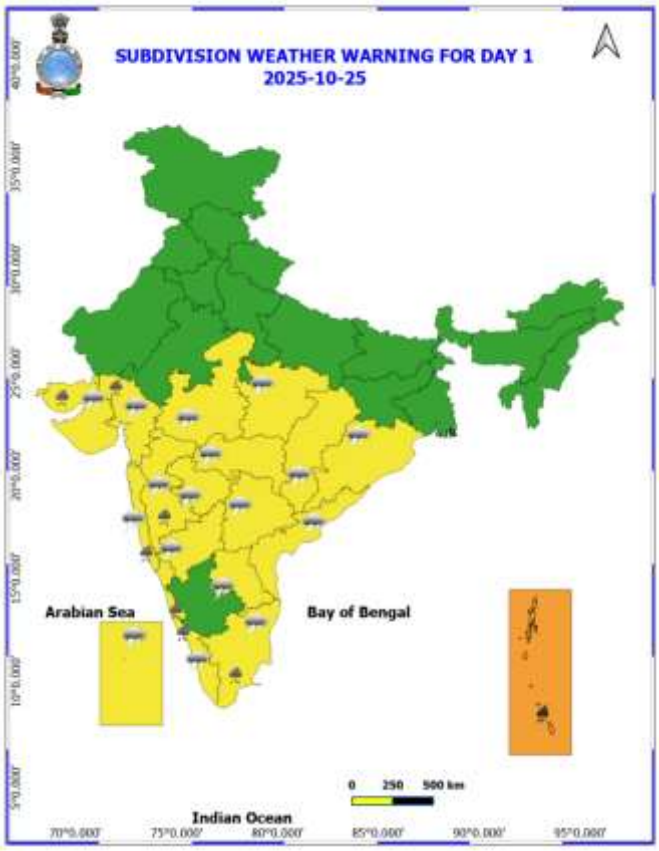
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-10-25
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

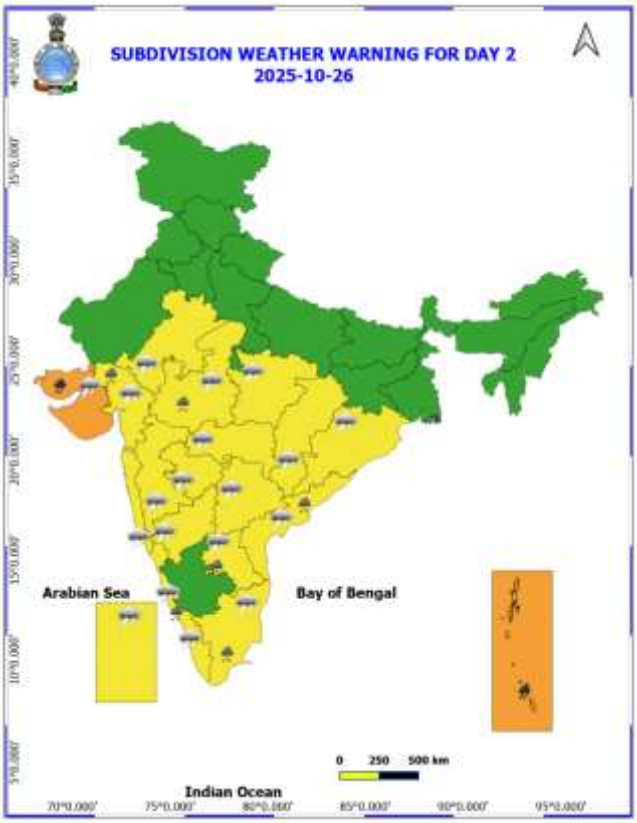
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-10-26
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

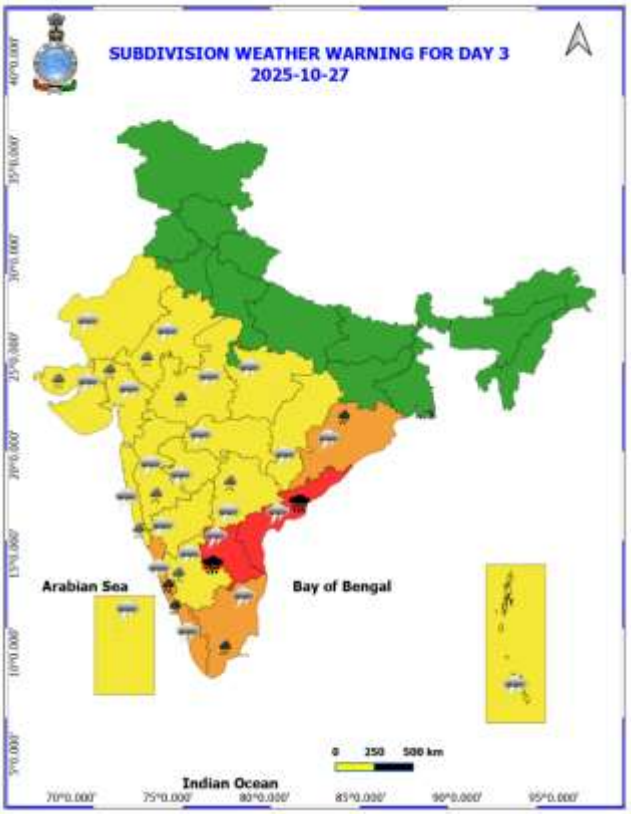
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-10-27
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

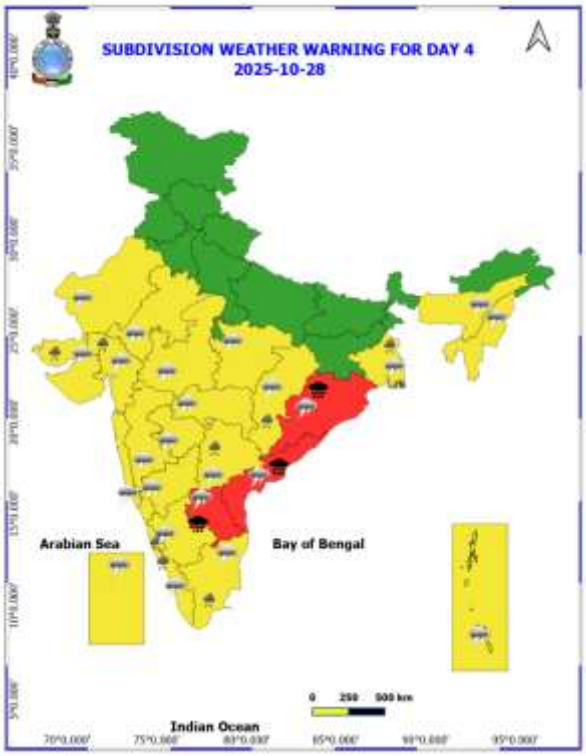

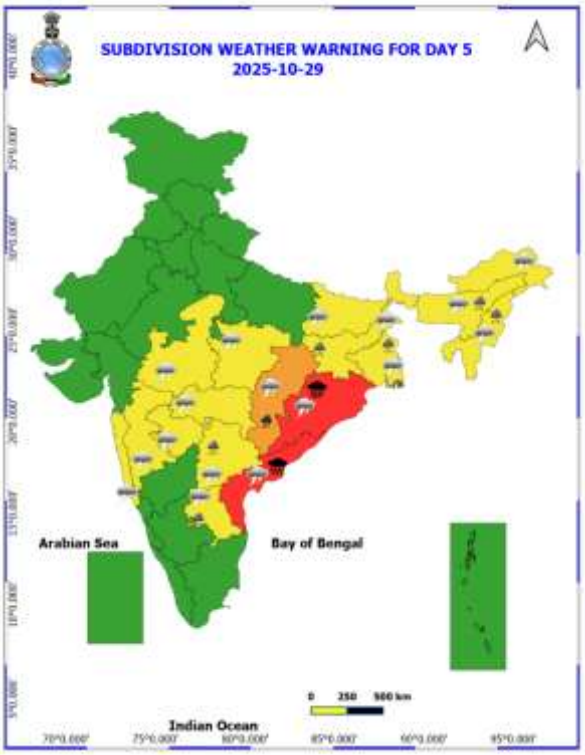

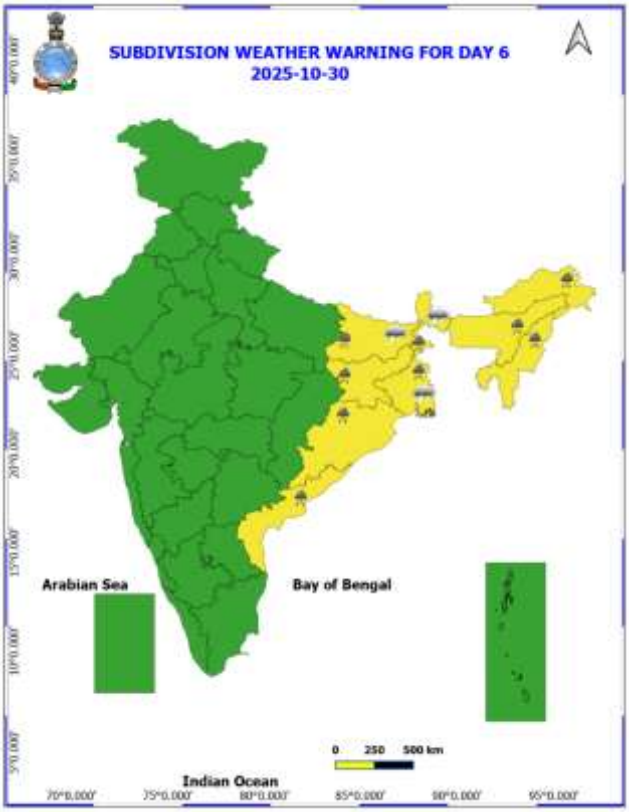

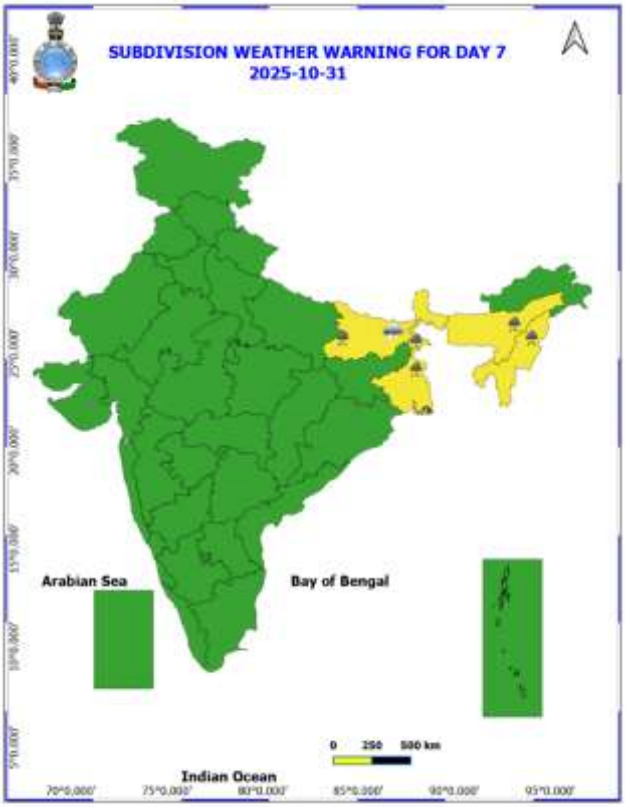

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

25 से 28 अक्टूबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम: पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 29 से 32°C और 16 से 17°C के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की गति से चलने वाली प्रमुख सतही हवा के साथ आसमान मुख्यतः साफ रहा। आज दोपहर के समय इस क्षेत्र में धुंध/धुंध के साथ आसमान मुख्यतः साफ रहा, साथ ही शांत हवा धीरे-धीरे बढ़कर 5 किमी प्रति घंटे की गति तक पहुँच गई।

महत्वपूर्ण मौसम संबंधी विशेषताएँ:

27 अक्टूबर, 2025 से 29 अक्टूबर, 2025 की सुबह तक, एक नया पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और भारत के आसपास के उत्तरी मैदानी इलाकों को प्रभावित कर सकता है। इसके प्रभाव से, 27 अक्टूबर की शाम से 28 अक्टूबर, 2025 की सुबह तक दिल्ली में एक या दो बार बहुत हल्की बारिश/बूंदाबाँदी होने की संभावना है।

मौसम पूर्वानुमान:

25.10.2025: शाम से धुंध/धुंध के साथ आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। अधिकतम तापमान 30 से 32°C के बीच रहेगा। अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 8 किमी प्रति घंटे की गति से चलने वाली हवाएँ प्रमुख सतही होंगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 4 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

26.10.2025: शाम के समय आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय धुंध/उथला कोहरा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 से 32 डिग्री सेल्सियस और 16 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। प्रमुख सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसमें शांत हवा धीरे-धीरे बढ़कर सुबह के समय 4 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 8 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 4 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

27.10.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय धुंध/उथला कोहरा। शाम/रात के दौरान दिल्ली में एक या दो बार बहुत हल्की बारिश/बूंदाबांदी होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 28 से 30 डिग्री सेल्सियस और 18 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से 1-3 डिग्री सेल्सियस तक कम रहेगा। प्रमुख सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, शांत हवा धीरे-धीरे बढ़कर सुबह के समय 5 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। दोपहर में हवा की गति उत्तर-पूर्व दिशा से बढ़कर 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के दौरान दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 5 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

28.10.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय धुंध/कोहरा छाया रहेगा। दिल्ली में तड़के/सुबह के समय एक या दो बार बहुत हल्की बारिश/बूंदाबांदी होने की संभावना है। सुबह के समय धुंध/कोहरा छाया रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 28 से 30 डिग्री सेल्सियस और 18 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस तक अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य से 1-3 डिग्री सेल्सियस तक कम रहेगा। मुख्य सतही हवाएँ दक्षिण-पूर्व दिशा से आने की संभावना है, जो सुबह के समय धीरे-धीरे बढ़कर 5 किमी प्रति घंटे तक पहुँच जाएँगी। दोपहर में दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति बढ़कर 8 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति घटकर 6 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **आंध्र प्रदेश** में, भारी वर्षा के दौरान मूंगफली की फसल की कटाई स्थगित रखें और पहले से कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। धान, मक्का, अरहर, उड़द, मूंग, कपास, मूंगफली, हल्दी, अदरक एवं सब्जियों के खेतों तथा केले, नारियल और सुपारी के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी करें। जब तक मिट्टी में नमी इष्टतम स्तर पर न पहुंच जाए, तब तक रबी फसलों (रबी मक्का, बंगाल चना आदि) की बुवाई न करें।
- **तमिलनाडु** में, धान और मूंगफली की परिपक्व फसलों की कटाई केवल साफ मौसम के दौरान ही करें तथा धान और मूंगफली की कटी हुई उपज और तोड़े गए केले के गुच्छों को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। धान, गन्ना, कपास, उड़द, मक्का एवं सब्जियों के खेतों तथा नारियल, केले और काली मिर्च के बागानों में जलजमाव से बचाव हेतु अतिरिक्त जल की निकासी के लिए उचित व्यवस्था करें। भारी वर्षा के दौरान धान की रोपाई या सीधी बुवाई एवं मक्का की बुवाई न करें।
- **केरल** में, धान की परिपक्व फसल की तुरंत कटाई करें तथा उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। धान एवं सब्जियों के खेतों और केले, नारियल, सुपारी, इलायची और काली मिर्च के बागानों में पर्याप्त जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें।
- **तटीय कर्नाटक** में, भारी वर्षा के दौरान धान की कटाई स्थगित रखें और पहले से कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें। धान के खेतों तथा नारियल, सुपारी और काली मिर्च के बागानों में पर्याप्त जल निकासी की सुविधा प्रदान करें।
- **तेलंगाना** में, कपास की परिपक्व फसल की तुरंत कटाई करें तथा उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। खेतों में रखी हुई मक्का और सोयाबीन की पहले से कटी हुई फसल को तिरपाल से ढक दें या किसी सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करें।
- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह** में, धान की कटी हुई उपज को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। धान, सब्जियों और बागवानी फसलों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- **ओडिशा** में, यदि धान की फसल में 85% दानें पक गए हों तो बारिश शुरू होने से पहले फसल को काटकर सुरक्षित स्थानों पर रख दें या कटी हुई फसल को खेतों में पॉलीथीन से ढक दें। उड़द, मक्का, सब्ज़ियों (कद्दू, भिंडी, करेला आदि) और मक्के के पके हुए भुट्टों की कटाई करें तथा उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। धान, उड़द, अरहर, मक्का, मूंगफली, कपास, गन्ना और सब्ज़ियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित प्रावधान करें। रबी फसलों (रबी दलहन, सब्ज़ियाँ आदि) की बुवाई / रोपण बारिश बंद होने तक स्थगित रखें।
- **गुजरात** में, धान, मूंगफली, सोयाबीन, उड़द, मूंग, तिल, मक्का, बाजरा और सब्जियों (टमाटर, बैंगन, मिर्च, भिंडी, खीरा आदि) की परिपक्व फसलों की कटाई केवल साफ मौसम के दौरान ही करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें।
- **कोंकण** में, धान और रागी की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। **मध्य महाराष्ट्र** में, धान, सोयाबीन, मक्का, मूंगफली और बाजरा की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।
- कटी हुई फसलों को अच्छी तरह से बांधें और ढककर रखें ताकि तेज हवा के कारण विस्थापन का खतरा कम हो।

➢ किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

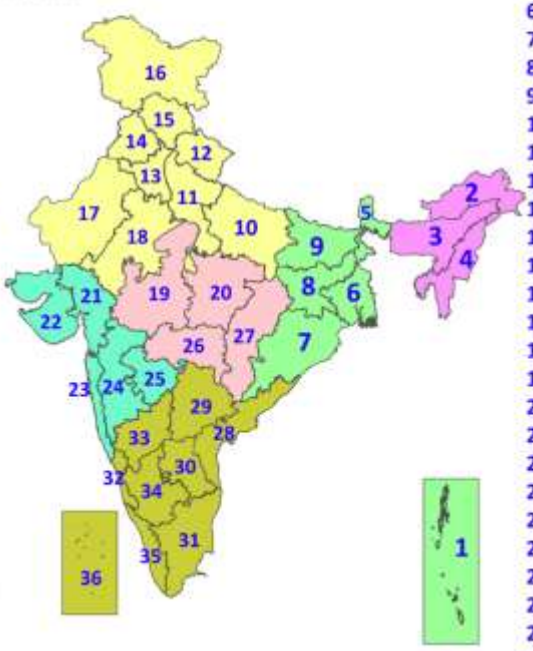

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)